भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2032

दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

.....

उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई

2032. श्री जितेंद्र दोहरेः

श्री नरेश चंद्र उत्तम पटेलः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश के इटावा और फतेहपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई पहलों की वर्तमान स्थिति सहित ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में मृदा और नमी संरक्षण तथा सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत कवर किए गए क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उपरोक्त परियोजनाओं से कितने किसान लाभान्वित हुए हैं तथा फसल की पैदावार में हुई वृद्धि और जल के कुशल उपयोग का ब्यौरा क्या है;

(घ) निर्वाचन क्षेत्रों में उक्त योजना और सूक्ष्म सिंचाई पहल के क्रियान्वयन के दौरान सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन सिंचाई और सिंचाई सुविधा के विस्तार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) से (ङ): जल, राज्य का विषय होने के कारण, जल संसाधन परियोजनाओं की योजना, वित्त पोषण, कार्यनिष्पादन और उनका रखरखाव राज्य सरकारों द्वारा स्वयं अपने संसाधनों और प्राथमिकता के अनुसार किया जाता है। भारत सरकार, राज्य सरकारों के प्रयासों को संपूरित करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है, इससे चल रही विभिन्न योजनाओं के तहत जल संसाधनों के सतत विकास और कुशल प्रबंधन को प्रोत्साहन मिलता है।

पर ड्रॉप मोर क्रॉप एक सूक्ष्म सिंचाई योजना है जिसे वर्ष 2015-16 में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के एक घटक के रूप में शुरू किया गया था और बाद में इसे वर्ष 2022-2023 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अंतर्गत शामिल कर लिया गया।

यह योजना उत्तर प्रदेश के इटावा और फतेहपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों सहित पूरे भारत में कृषि और किसान कल्याण विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इटावा और फतेहपुर संसदीय क्षेत्रों में सूक्ष्म सिंचाई हेतु कवर किए गए क्षेत्र और लाभान्वित किसानों का ब्यौरा दिया है, जो निर्वाचन नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र. सं.	**संसदीय निर्वाचन क्षेत्र**	**सूक्ष्म सिंचाई हेतु कवर किये गए क्षेत्र (हेक्टेयर में)**	**लाभान्वित किसान**
1	इटावा	5737	4977
2	फतेहपुर	3984.19	3409

इसके अलावा, यह सूचना दी गई है कि किसानों द्वारा सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को अपनाने से फसल की पैदावार में लगभग 25%-30% की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, सूक्ष्म सिंचाई से भूजल की बचत हुई है और जल उपयोग दक्षता में वृद्धि हुई है।

उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई प्रशिक्षण कार्यक्रम, किसान गोष्ठी, मेले और अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है।

सूक्ष्म सिंचाई विकास के अलावा, उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में पीएमकेएसवाई के वाटरशेड विकास घटक के अंतर्गत वाटरशेड विकास परियोजनाएं भी शुरू की गई हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	**संसदीय निर्वाचन क्षेत्र**	**कवर किये गए क्षेत्र (हेक्टेयर में)**
1	इटावा	4850
2	फतेहपुर	7476

*****